स्वरलिपि पद्धतियाँ

भातखंडे पद्धति	विष्णु दिगम्बर पद्धति
(स्वर चिन्ह):-	
① शुद्ध स्वर - ग,म,प (चिन्ह रहित)	ग, म, प कोई चिन्ह नहीं
② कोमल स्वर - रे ग (नीचे रेखा)	रे ग (नीचे रेखा)
③ तीव्र स्वर - मं	म (तिरछी रेखा)
(सप्तक चिन्ह):-	
① मध्य सप्तक - रे ग म	कोई चिन्ह नहीं - ग म प
② मन्द्र सप्तक - नि़ ध़ प़	निं धं पं
③ तार सप्तक - सां रें गं	गं मं पं
(स्वर मान):-	
① एक मात्रा - रे ग म प	रे ग म प
② $1\frac{1}{2}$ मात्रा - सा -रे अर्थात सा = $1\frac{1}{2}$ और रे = $\frac{1}{2}$	सा॰ रे
दो मात्रा - रे - ग -	रे ग

तीन मात्रा - सा - -	प़
आधी मात्रा - रेप गम	रे़ प़ ग़ म़
चौथाई मात्रा - रेगमप	रे ग म प
1/3 मात्रा रेगम	रे ग म या रे ग
	1/3 1/3 1/3
1/6 मात्रा - सारेगमपध	रे ग म
	1/6 1/6 1/6
अर्ध विराम - सा, रेग	सा़ रे ग
अर्थात सा = 1/2 और रे, ग क्रमश: 1/4 मात्रा	

(ताल लिपि):-

सम - X	
खाली - 0	1
विभाग - 1	+
	विभाग नहीं होता । एक आवर्तन के बाद एक खड़ी पाई (1) स्थायी अंतरा के बाद दो खड़ी पाई (11)
ताली - ताली संख्या से - 2,3,4	मात्रा संख्या से - 1, 5, 13

(स्वर सौन्दर्य)-

मींड - पग	पग
कण - ध^प	ध^प
खटका - (प) = पधमप	(प)
गीत उच्चारण - श्या ऽऽ म	श्या ० ० म

Scanned with CamScanner